



16

विजय पथ



कछुआ और खरगोश में गहरी मित्रता थी। दोनों साथ-साथ रहते और खेलते थे। एक दिन खरगोश ने कछुआ से कहा—मित्र क्यों न एक दिन हमारी तुम्हारी दौड़ हो जाए। मैं तैयार हूँ—कछुआ बोला। दोनों ने अपने साथियों को बुलाकर दौड़ का रास्ता और गंतव्य स्थल तय किया, फिर एक निश्चित दिन पर दौड़ की घोषणा हुई।

दौड़ के दिन की घोषणा होने पर खरगोश एकदम निश्चित था। उसे पूरा विश्वास था कि कछुआ उससे दौड़ जीत ही नहीं पाएगा। उधर कछुए ने अपनी तैयारियाँ तेज कर दीं। वह दौड़ जीतने को लेकर योजना बनाने में जुट गया।

दौड़ के लिए निश्चित दिन पर कछुआ और खरगोश निर्धारित स्थान पर दौड़ के लिए उपस्थित हुए। गिलहरी ने सीटी बजाकर दौड़ प्रारंभ की। कछुआ धीरे-धीरे चला जबकि खरगोश तेजी से दौड़ता हुआ बहुत आगे निकल गया। एक पेड़ के पास पहुँचकर खरगोश ने



सोचा कि कछुआ तो अभी बहुत पीछे होगा, क्यों न मैं थोड़ी देर पेड़ की छाया में आराम कर लूँ। उसे विश्वास था कि कुछ देर के बाद वह तेज रफ्तार में दौड़कर अपने गंतव्य स्थान तक कछुआ से पहले ही पहुँच जाएगा। खरगोश पेड़ की छाया में बैठ गया। मंद-मंद पवन बह रही थी। पेड़ पर चिड़ियाँ चहचहा रही थीं। ऐसे सुहावने वातावरण में खरगोश को नींद आ गई। उधर कछुआ अपनी मंद गति से लगातार गंतव्य की ओर चलता रहा।



गंतव्य स्थान पर पहुँचकर कछुए ने इधर-उधर देखा उसे खरगोश कहीं दिखाई न दिया। उधर खरगोश की नींद खुली तो उसने गर्दन घुमाकर दूर तक देखा। उसे कछुआ कहीं न दिखा। अरे! अभी कछुआ यहाँ तक पहुँचा ही नहीं—खरगोश ने सोचा और गंतव्य की ओर तेजी से दौड़ चला। गंतव्य स्थल पर पहुँचकर देखता है कि कछुआ वहाँ पहले से ही मौजूद है और उसे तमाम जानवर मालाएँ पहना रहे हैं।



शब्दार्थ—

पाठ में आए कठिन शब्दों को छाँटिए और उनका अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़कर लिखिए।

बोध प्रश्न : उत्तर लिखिए —

- (क) खरगोश ने कछुआ से क्या कहा ?
- (ख) दौड़ के लिए क्या-क्या निर्धारित किया गया ?
- (ग) पेड़ के नीचे पहुँचकर खरगोश ने क्या सोचा ?
- (घ) दौड़ में कौन जीता और क्यों ?

सोच-विचार : बताइए —

कछुए के जीतने पर बहुत से पत्रकार उसका इंटरव्यू लेने पहुँचे। कछुए ने सभी के सवालों का प्रसन्नतापूर्वक उत्तर दिया।

- अगर आप भी होते वहाँ, तो कछुए से कौन-कौन से सवाल पूछते ?
- खरगोश से कौन-कौन से सवाल पूछते ?

अनुमान और कल्पना —

- (क) अगर यह दौड़ अगली बार हो तो क्या परिणाम होगा ?
- (ख) कछुए ने अपनी जीत की बात फोन पर अपने माता-पिता और भाई-बहिन को बताई। कक्षा में अभिनय करते हुए बताइए कि कछुए ने किससे क्या-क्या बातें बताई होंगी ?
- (ग) खरगोश ने पेड़ के नीचे सोते-सोते सपना देखा। सोचें और लिखें—खरगोश ने क्या सपना देखा होगा ?

तुम्हारी कलम से —

- (क) दौड़ के अगले दिन सभी समाचार-पत्रों में इस दौड़ की खबर छपी। खबर के साथ कछुए का फोटो भी लगा हुआ था। आप संवाददाता होते तो अपने अखबार के लिए इस समाचार को किस प्रकार लिखते ? सोचकर लिखिए और चित्र भी बनाइए।

(ख) क्या आपने भी कभी किसी दौड़ में हिस्सा लिया है ? नहीं भी लिया तो दौड़ देखेंगी। उस दौड़ के बारे में अपने अनुभव लिखिए।

5. अब करने की बारी —

(क) कछुए को दौड़ में जीतने पर उसके दोस्तों ने बधाई संदेश भेजे। आप भी बनाएँ—

- कछुए के लिए बधाई पत्र
- खरगोश के लिए सांत्वना पत्र

(ख) दौड़ प्रतियोगिता को देखने के लिए दूर-दूर से तमाम पशु-पक्षी आए। उन सभी को बुलाने के लिए निमंत्रण-पत्र भेजे गए थे। जंगल में जगह-जगह पोस्टर भी लगाए गए थे।

अपने साथियों के साथ मिलकर बनाइए कछुआ और खरगोश की दौड़ का पोस्टर।

(ग) कछुआ और खरगोश की दौड़ चल रही है और आप दौड़ को देख रहे हैं। इस दौड़ का आँखों देखा हाल सुनाइए।

6. मेरे दो प्रश्न : कहानी के आधार पर दो सवाल बनाइए —

1.
2.

7. इस कहानी से —

(क) मैंने सीखा —

(ख) मैं करूँगी/करूँगा —

